Title: Requested the Foreign Minister not to allow the corrupt Director General of ICAR to go abroad.

श्री हरी्भाऊ ्शंकर महाले (मालेगा्ंव) : ्स्भापति महोद्य, मैं आपके माध्यम ्से महत्वपूर्ण व्ि्ाय की ओर ध्यान आकर््िात करना चाहता हूं।

्स्भापति महोद्य : जै्से ही आपका ्क्रम आ्येगा, ्वै्से ही आपको मौका मिलेगा।

श्री हरी्भाऊ ्शंकर महाले : कृ्ाि क्षेत्र में ्सन् 1999-2000 में कम्प्यूटर खरीदी में 150 करो्ड़ रुप्ये का घोटाला हुआ है। आई.्सी.ए.आर. और कृ्ाि ्भ्वन के इतिहा्स में ्यह पहली ्बार हुआ है कि डा्यरैक्टर जनरल के पद का आदमी ्भ्रटाचार के आरोप में निलम्बित कि्या ग्या हो। इ्स ्साल डा्यरैक्टर जनरल के ऊपर ्सी.्बी.आई. और ्सी.्वी.्सी. इन्क्वा्यरी चल रही है। इनको अ्भी ्स्वेच्छा ्से्वानि्वृत्ति मिली है और ्वे देश छो्ड़कर जा रहे हैं। लेकिन कुछ राजनैतिक लोग उन्हें ्बचाने के लिए लगे हुए हैं और उनको ्सुरक्षित देश के ्बाहर ्भेजने में लगे हैं।

मेरा आपके माध्यम ्से ्विदेश मंत्री और पंत प्रधान ्से प्रार्थना है कि उनको ्वीजा न दि्या जा्ये और देश के ्बाहर न ्भेजने की कृपा करें।